मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG–001

वैदिक गणित में प्रमाणपत्र कार्यक्रम

(सी.वी.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

सी.वी.जी.-001 : संस्कृत में गणितीय परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) प्रश्नपत्र में* **दो** *खण्ड हैं।*

(ii) दोनों ही खण्ड से प्रश्न करना अनिवार्य है।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

$4 \times 20 = 80$

(क) प्राचीन भारतीय गणित के विस्तार तथा मौलिक उपयोग पर प्रकाश डालिए।

(ख) वैदिक गणित का परिचय लिखते हुए त्रैराशिक नियम की व्याख्या कीजिए।

(ग) श्लोक की व्याख्या कीजिए–

एकं दश च शतञ्च सहस्रमयुतनियुते यथा प्रयुतंम्।

कोटयर्बुदञ्च वृन्दं स्थानान्स्थानं दशगुणं स्यात्॥

(घ) वर्ग एवं घन की परिभाषा व रूप को लिखिए।

(ङ) बौद्धकालीन गणित की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए :

$4 \times 5 = 20$

(क) लगध ज्योतिष्

(ख) बीजगणित

(ग) लीलावती

(घ) शून्य

(ङ) ज्योतिषशास्त्र का परिचय

× × × × ×